गणतंत्र दिवस, 2022 पर माननीय प्राचार्य का संदेश

सबसे पहले मैं आप सभीको गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी जानते हैं कि हम एक अदृश्य दुश्मन के खिलाफ बीस महीने के अधिक समय से लड़ रहे हैं और इस लड़ाई में सबसे अधिक प्रभावित सामाजिक संस्था स्कूल रही है। लेकिन देने का साहस, अलग सोचने का साहस, आविष्कार करने का साहस, असंभव की खोज करने का साहस, अज्ञात पथ पर यात्रा करने का साहस, ज्ञान बांटने का साहस, दर्द दूर करने का साहस, दिव्यांगों तक पहुंचने का साहस, समस्याओं का मुकाबला करने का साहस, और सफल होना बच्चे और युवाओं के गुण हैं। इस अवधि के दौरान छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों के बावजूद, मुझे आशा है कि हम कुछ ही समय में अपनी शिक्षा प्रणाली को ठीक करने और बहाल करने में सक्षम होंगे। मुझे इस लड़ाई में समाज के हर कोने से सहयोग की उम्मीद है।

"यह राहें लक्ष्य की ओर ले जाएगा,
हौसला रख।
कभी सुना है कि अंधेरे ने सबेरा
होने न दिया ?"

जयहिन्द

राजकमल
प्राचार्य